

शीलोन्नयन पुं. (तत्.) शील संबंधी गुणों को विकसित करने का कार्य, विनम्रता संबंधी आचरण के विकास का कार्य, स्वभाव में नैतिकता के विकास का कार्य।

शीवल पुं. (तत्.) जल में उगने वाली एक प्रकार की काई, शैवाल, शैलेय, सेवार।

शीवा पुं. (तत्.) भारी वजन और मोटे शरीर वाला साँप, अजगर।

शीश पुं. (तद्.) 1. मानव शरीर का सर्वोच्च अंग, सिर, शीर्ष 2. शीशा (समास में प्रयुक्त) जैसे- शीश महल 3. एक प्रकार श्वेत पुष्प।

शीशज पुं. (फा.) एक प्रसिद्ध ईरानी नगर।

शीशफूल पुं. (तद्.) सिर को सुसज्जित करने वाला एक आभूषण।

शीशम पुं. (देश.) मजबूत तने वाला एक वृक्ष, इससे बनने वाले खिडक्री, दरवाजे और अन्य सामान बहुत मजबूत होते हैं।

शीशागर पुं. (फा.) शीशे का काम करने वाला व्यक्ति, शीशे का सामान बनाने वाला कारीगर।

शीशी स्त्री. (देश.) दवाई रखने वाली शीशे से बनी हुई छोटी बोतल।

शुंग पुं. (तत्.) 1. लंबी आयु वाला बड़ा पेड़, बरगद का पेड़, बड़ का वृक्ष 2. पैबंदी वाला बेर का पेड़ 3. अनाज की बाली में दाने के ऊपर निकला हुआ नुकीला अंश, टूंड 4. प्राचीन भारत में मौर्य वंश के पश्चात का राजवंश, शुंगवंश।

शुंगा स्त्री. (तद्.) 1. पेड़-पौधे पर उगी नवीनतम कली का कौष 2. किसी अनाज की बाल, किंशारू, टूंड।

शुंगी पुं. (तद्.) लम्बी आयु का बड़ा वृक्ष, वटवृक्ष।

शुंठी स्त्री. (तत्.) औषधि के रूप में प्रयुक्त एक कंद रूप की जड़, अदरक का सूखा रूप, सोंठ, शुंठि, शुष्क अदरक, शुष्कार्द्रक।

शुंड पुं. (तत्.) 1. हाथी की सूंड 2. मदमस्त हाथी के गंडस्थल से बहने वाला द्रव्य पदार्थ।

शुंडी पुं. (तद्.) 1. मदिरा बनाने वाला, कलवार 2. शरीर की किसी ग्रंथी की सूजन।

शुंभघातिनी स्त्री. (तत्.) शुंभ राक्षस का वध करने वाली, दुर्गा।

शुंभमर्दिनी स्त्री. (तत्.) दे. शुंभघातिनी।

शुअरा पुं. (अर.) काव्य के रचनाकार, कवि, शाइर-बहुवचन शुअरा।

शुक पुं. (तत्.) 1. हरे रंग के सुंदर पक्षियों में से एक, तोता, सुग्गा (विशेष-उक्तियों के नकल करने में कुशल) 2. सिरस का पेड़ 3. व्यास मुनि का पुत्र, शुकदेव 4. वस्त्र, कपड़ा।

शुककीट पुं. (तत्.) वर्षा और शीत ऋतुओं में दिखने वाला हरे रंग का एक कीट या पतंगा।

शुकच्छद पुं. (तत्.) 1. तोते का पंख 2. मसाले के रूप में उपयोगी पत्र, तेजपात 3. नीले रंग के पुष्पों का वृक्ष।

शुकजिहवा पुं. (तत्.) एक प्रकार का आयुर्वेदिक पौधा, सुआठोंठी का पौधा।

शुकतरु पुं. (तत्.) अति कोमल और आकर्षक फूलों का एक वृक्ष, सिरिस का पेड़ शिरीष का पेड़।

शुकतुंड पुं. (तत्.) 1. शुक की चोंच, तोते की चोंच 2. तंत्र क्रिया के समय हाथ की एक विशेष मुद्रा, जिस में तोते की चोंच का आभास हो।

शुकतुंडी स्त्री. (तत्.) सुआठोंठी का पौधा, शुक जिहवा।

शुकदेव पुं. (तत्.) कृष्णदैवपायन व्यास और शुकी के रूप में पृथ्वी पर विचरण कर रही अप्सरा घृताची का पुत्र, भागवत पुराण के वक्ता, परम ज्ञानी।

शुकद्रुम पुं. (तत्.) शीशम की तरह का एक लम्बा वृक्ष, सिरसर, शिरीष का वृक्ष।

शुकनलिका न्याय पुं. (तत्.) न्याय दर्शन के अंतर्गत न्याय की वह पद्धति जिस में प्रलोभन देकर हानि पहुँचाने का विधान है टि. पक्षी पकड़ने के लिए नलिका पर लासा या ऊपरी